

शरिया का परिचय (2 का भाग 2)

रेटिंग:

विवरण: ?? ??? ??? ????? ?? ??????? ?? ??? ?????? ?????? ??? ?? ??????? ??????? ?? ??????? ?? ?????? ??????
?? ?????? ?? ??? ??????? ???

श्रेणी: [पाठ](#) > [इस्लाम के गुण](#) > [इस्लाम की उत्कृष्ट विशेषताएं](#)

द्वारा: Imam Mufti (© 2013 NewMuslims.com)

प्रकाशित हुआ: 08 Nov 2022

अंतिम बार संशोधित: 07 Nov 2022

उद्देश्य:

- फ़किह की परिभाषा और शरिया से इसका संबंध जानना।
- शरिया और फ़किह की तुलना करना और वषिमता जानना।
- फ़किह के "पांच" नियमों के बारे में जानना।
- फ़किह के क्रमागत उन्नतों के छह चरणों को समझना।
- एक मुस्लिम न्यायविद (फ़कीह) की सामान्य और वशिष्ट योग्यताओं को समझना।
- मुस्लिम दुनिया में सीखने की प्रमुख स्थितियों के बारे में जानना।
- पश्चिम में प्रमुख फ़किह परिषदों के बारे में जानना।

अरबी शब्द:

- फ़कीह (बहुवचन फ़ुक्हा) - मुस्लिम न्यायविद (न्यायशास्त्री)।
- ??????? - इस्लामी न्यायशास्त्र।
- ???? - (बहुवचन - हदीसें) यह एक जानकारी या कहानी का एक टुकड़ा है। इस्लाम में यह पैगंबर मुहम्मद और उनके साथियों के कथनों और कार्यों का एक वर्णनात्मक रिकॉर्ड है।
- ???? - नषिदिह।

·????? - नापसंद।

·????? ?????????? - सार्वजनिक हति।

·????? - जसिकी अनुमति है।

·???????? - अनुशंसति।

·???????? - सादृश्य।

·????? - इस्लामी कानून।

·????? - अध्ययन के क्षेत्र के आधार पर सुन्नत शब्द के कई अर्थ हैं, हालांकि आम तौर पर इसका अर्थ है जो कुछ भी पैगंबर ने कहा, किया या करने को कहा।

·????? - अनविरय।

शरिया नश्चिती नयिम है जसि अल्लाह ने कुरआन, सुन्नत और इनसे निकलने वाले अन्य स्रोतों में कानून बनाया है।



दूसरी ओर, फ़किह (इस्लामी न्यायशास्त्र) को शरिया के व्यावहारिक नियमों के ज्ञान के रूप में परिभाषित किया गया है जो स्रोतों में वसित साक्ष्य से प्राप्त होते हैं।[\[1\]](#)

इसलिए, शरिया लक्ष्य है, फ़किह रास्ता है। फ़किह विशेष पुस्तकों और विश्वकोशों में नहित है। यह नियमों और वनियमों का संकलन है।

फ़किह में इस्लाम के प्रसिद्ध व्यावहारिक धार्मिक मामले शामिल हैं। इनमें स्पष्ट शब्दों में बताए गए नियम शामिल हैं। इसके दो उदाहरण हैं, पांच दैनिक प्रार्थना का कर्तव्य और शराब का नषिध। वे नश्चिती और स्पष्ट हैं। फ़किह में धार्मिक मामलों के कई प्रत्याशित व्यावहारिक विवरण भी शामिल हैं। क्या रक्तस्राव वुजू को अमान्य कर देता है? क्या वुजू में पूरे सरि या उसके केवल एक हिस्से को पोंछना आवश्यक है? इस तरह के वसित सवालों के जवाब फ़किह की किताबों में मिलते हैं।

शरिया और फ़किह के बीच क्या संबंध है? [\[2\]](#)

1. शरिया अल्लाह द्वारा प्रकट किए गए वास्तविक नियम है। उनके बीच कोई अंतरवर्धित या संघर्ष नहीं है। यह सभी मुसलमानों के लिए बाध्यकारी है। फ़किह इस्लाम के विद्वानों (फुक्हा

या न्यायशास्त्र(ओं) द्वारा शरिया के ग्रंथों या अन्य तरीकों जैसे क़ियास और मसलहाह मुरसलाह से लिया गया है। ये छोटे नयिम शरिया से मेल खाने वाले भी हो सकते हैं और नहीं भी। दूसरे शब्दों में, जब कोई वदिवान अपनी समझ में सही होता है, तो शरिया और फ़किह आपस में मेल खाते हैं। जब कोई वदिवान गलती करता है, तो शरिया और फ़किह मेल नहीं खाते। शरिया फ़किह के भीतर पाया जाता है।^[3]

2. **शरिया मुकम्मल है, फ़किह नहीं।** शरिया मूल रूप से सामान्य सदिधांत हैं जनिसे हमारे दैनिकि जीवन के सभी पहलुओं के लिए मार्गदर्शन प्राप्त होता है। दूसरी ओर, फ़किह कई मामलों में वदिवानों की राय है। अधिकांशतः शरिया दशानरिदेश प्रदान करता है जसिसे फ़किह में वसितार से बताया जाता है।
3. शरिया सामान्य है और फ़किह के वपिरीत सभी मनुष्यों को संबोधति करता है।
4. **शरिया बाध्यकारी है जबकि फ़किह के हसिसे बाध्यकारी नहीं है।** फ़किह एक वशिष्टि स्थान के लिए समकालीन समाज को प्रासंगिकि उत्तर प्रदान करता है। शरिया समय और स्थान से मुक्त है। शरिया ज्यादातर सामान्य नरिदेश प्रदान करता है जबकि विशेष और अभूतपूर्व मुद्दों के वसितृत समाधान फ़किह में मिलते हैं।
5. **शरिया संपन्न है जबकि फ़किह नहीं है।** शरिया में त्रुटियां नहीं हैं क्योकि इसे ईश्वरीय रहस्योदघाटन माना जाता है, लेकिन फ़किह कभी-कभी गलत हो सकता है क्योकि यह एक मानवीय प्रयास और तर्क का उत्पाद है।

फ़किह के नयिम

फ़किह के नयिमों को पांच मूल्यों के पैमाने पर वर्गीकृत किया गया है:

1. वाजबि (अनवार्य): जो मुसलमान के लिए आवश्यक है, जैसे पांच दैनिकि नमाज़।
2. मुस्तहब (अनुशंसति): जो मुसलमान को करने के लिए प्रोत्साहति किया जाता है, जैसे सोमवार और गुरुवार को उपवास करना।
3. मुबाह (जसिकी अनुमति है): जो मुसलमान को कुछ करने या न करने के लिए कहा जाता है, जैसे क़िएक नश्चति भोजन या पेय चुनना।
4. मकरूह (नापसंद): जो मुसलमान के लिए छोड़ना बेहतर है, जैसे खाना परोसते समय प्रार्थना करना।
5. हराम (नषिदिध): जसि चीज से मुसलमान को मना किया जाता है, जैसे व्यभिचार और चोरी।

फ़किह के क्रमागत उन्नतिके चरण

फ़किह को समय के साथ मुस्लिम दुनिया के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में विकसित किया गया था। 1400 वर्षों की अवधि में इसके विकास को छह चरणों में वर्गीकृत किया जा सकता है^[4]:

1. नींव: पैगंबर मुहम्मद (उन पर अल्लाह की दया और आशीर्वाद हो) का युग, 609 - 632 सीई।
2. स्थापना: धर्मी खलीफ़ाओं का युग, 632 - 661 सीई।
3. निर्माण: उमय्यद वंश का युग, 661 सीई से 8वीं शताब्दी तक।
4. विकास: अब्बासिद वंश के उत्थान और पतन का युग, 8वीं शताब्दी से 10वीं शताब्दी के मध्य तक।
5. एकत्रीकरण: अब्बासिद वंश के पतन से लेकर अंतिम अब्बासिद खलीफ़ा की हत्या तक, 960 सीई से 13वीं शताब्दी के मध्य तक।
6. ठहराव और गरिबत: बग़दाद की बर्खास्तगी से लेकर वर्तमान तक, 1258 सीई से अब तक।

एक फ़कीह (मुस्लिम न्यायविद) की योग्यता

फ़किह में विशेषज्ञता रखने वाले एक इस्लामी विद्वान की तीन बुनियादी योग्यताएं होती हैं:

1. इस्लाम का ज्ञान उसके स्रोतों से: क़ुरआन, सुन्नत, सर्वसम्मत, और न्यायशास्त्रीय सादृश्य (क़ियास)।
2. समसामयिक मुद्दों से ठीक से निपटने में सक्षम होने के लिए समाज की मौजूदा परिस्थितियों को समझना।
3. पवित्रता और अच्छी मंशा।

अधिक विशेष रूप से, एक फ़कीह विशेषज्ञ विद्वान (फ़कीह) को ज्ञान होना चाहिए:

- अरबी भाषा और उसके शास्त्र का।
- क़ुरआन में कानून के छंद और उनकी व्याख्या का।

·कानून की हदीस और उनकी व्याख्या का।

·प्रामाणिक और कमजोर हदीस के बीच अंतर कर सकने का।

·कौन सी आयतें और हदीस नरिस्त कर दी गई हैं और कौन सी चालू हैं।

·सामान्य और वशिष्ट, अप्रतबिंधति और प्रतबिंधति, शब्दों की स्पष्टता के विभिन्न स्तर के बीच अंतर कर सकने का।

·मुद्दों पर विद्वानों की राय जानना कि वे कहां भिन्न हैं और वे कहां सहमत हैं।

·जानना कि कियस कैसे बनाया जाता है।

·समझना कि परस्पर विरोधी साक्ष्यों को कैसे सुलझाया जाए।

·शरिया के लक्ष्यों और उनकी विभिन्न प्राथमिकताओं को समझने का।

मुस्लिम दुनिया में सीखने के प्रमुख स्थान

मुस्लिम दुनिया में सीखने के प्रमुख संस्थान मस्जिद में अल-अजहर विश्वविद्यालय, ट्यूनीशिया में जैतुना विश्वविद्यालय, सऊदी अरब में इमाम मुहम्मद इब्न सऊद विश्वविद्यालय, सूडान में उम्म दारमन विश्वविद्यालय, सऊदी अरब में मदीना के इस्लामी विश्वविद्यालय और भारत में दार उल उलूम देवबंद हैं। कई मुस्लिम विद्वान या तो वहां प्रशिक्षित होते हैं, या इन केंद्रों से संबंधित या प्रभावित संस्थानों से प्रशिक्षित होते हैं।

पश्चिम में प्रमुख फ़किह परिषद

कई प्रमुख इस्लामी फ़किह परिषदें हैं जिनमें दुनिया भर के प्रसिद्ध मुस्लिम विद्वान शामिल हैं। सबसे प्रसिद्ध मक्का, जेद्दा, काहिरा और भारत में हैं। पश्चिम में रहने वाले मुसलमानों के लिए तीन प्रमुख फ़किह परिषदें अमेरिका के मुस्लिम न्यायविदों की सभा, फतवा और अनुसंधान के लिए यूरोपीय परिषद और उत्तरी अमेरिका की फ़किह परिषद हैं।

फुटनोट:

[1] डॉ. उमर अल-अश्कर द्वारा लिखित अल-मदखल इला अल-शरिया व फ़किह अल-इस्लामी, पृष्ठ 36

[2] डॉ. उमर अल-अश्कर द्वारा लिखित अल-मदखल इला अल-शरिया व फ़किह अल-इस्लामी, पृष्ठ 42-43

[3] यूसुफ अल-करादावी द्वारा लिखित मदखल ली-दरिसा अल-शरिया अल-इस्लामिया, पृष्ठ 22

[4] डॉ. बलिल फलिप्स द्वारा लिखित द इवोल्यूशन ऑफ़ फ़किह, पृष्ठ 17-18

इस लेख का वेब पता

<https://www.newmuslims.com/hi/articles/205>

कॉपीराइट © 2011 - 2024 NewMuslims.com. सर्वाधिकार सुरक्षित।